जापान की मदद से बुंदेलखंड बनेगा हरित ऊर्जा का केंद्र

आईआईटी कानपुर, बीएचयू और यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी का रहेगा तकनीकी सहयोग

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी को हरित ऊर्जा के वैश्विक मानचित्र पर मजबूत स्थान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। इन्वेस्ट यूपी के नेतृत्व में जापान में हुई उच्चस्तरीय बैठकों में ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना पर ठोस सहमति बनी है।

खास तौर पर बुंदेलखंड के झांसी क्षेत्र में पायलट प्रोजेक्ट पर ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना और उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर चर्चा हुई जिससे प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा और निवेश, दोनों में नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जापान में यामानाशी प्रीफेक्चरल सरकार सहित कई प्रमुख औद्योगिक समूहों से मुलाकात की। सबसे अहम बैठक यामानाशी प्रीफेक्चरल सरकार के साथ हुई।

बैठक में उन्नत ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक, विशेष रूप से यामानाशी मॉडल पी-2जी प्रणाली का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस दौरान यूपी में पायलट ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना शुरू करने पर सहमति बनी। इस परियोजना में आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू और यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी के तकनीकी सहयोग का प्रस्ताव है। बुंदेलखंड क्षेत्र को उपयुक्त मानते हुए झांसी को संभावित स्थल के रूप में चिह्नित किया गया है। प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना पर भी चर्चा हुई।

सुविधा व सहयोग के लिए प्रतिबद्ध

जापान दौरे के दौरान रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स, मारुबेनी कॉर्पोरेशन, सुजुकी मोटर और शिमिजु कॉर्पोरेशन के साथ भी निवेश संभावनाओं पर बातचीत हुई। बैठकों में नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत वाहन, हरित आधारभूत ढांचा और उन्नत निर्माण तकनीकों पर सहयोग को लेकर सकारात्मक संकेत मिले। शशांक चौधरी ने कहा कि यूपी सरकार ग्रीन हाइड्रोजन सहित सभी निवेश परियोजनाओं के लिए पूर्ण सुविधा और समयबद्ध सहयोग देने को प्रतिबद्ध है। जापानी कंपनियों की रुचि से स्पष्ट है कि यूपी अब वैश्विक हरित निवेश का नया केंद्र बन रहा है।